

नगर पंचायत समाधान शिविरों के प्रभारी अधिकारी नियुक्त

कांकेर, (आरएनएस)। लोक सुराज अभियान 2018 के सुचारू संपादन तथा लोक समाधान शिविर के व्यवस्थित आयोजन हेतु तृतीय चरण में जिले के नगर पंचायतों में कुल 21 समाधान शिविर आयोजित किया जाएगा। 12 मार्च 2018 से 31 मार्च के मध्य आयोजित समाधान शिविर आयोजित किये जाएंगे। शिविर हेतु प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। 12 मार्च को नगर पंचायत भाूप्रतापपुर के वार्ड क्रमांक 2 हेतु प्रभारी अधिकारी उपभियंता नगर पंचायत श्री इनक उडके, चारामा के वार्ड क्र. तीन के प्रभारी अधिकारी सहा. पशु चिकि.शे.अ. ओपी देवांगन, कांकेर के मांझापारा उपअभियंता श्री कमलेश साहू, नरहरपुर के वार्ड क्र. छ: में मु.न.प. अधिकारी श्री श्यामलाल पाण्डेल, परखंजूर के वार्ड क्र. चार में अधिकारी कन्या छात्रावास सुश्री मिसमी विश्वास, 13 मार्च को चारामा के वार्ड क्र. छ: ग्राकृवि वि अधिकारी श्रीमती पुष्पलता कुंजाम, 14 मार्च को चारामा के वार्ड क्र. दस उप अभियंता श्री एचएस नागेन्द्र, कांकेर के एमजी वार्ड उप अभियंता श्री कमलेश साहू, परखंजूर के

वार्ड क्र. नौ अधिकारी कन्या छात्रावास कुमारी धनेश्वरी चुरेन्द्र, 15 मार्च को अंतगढ़ के वार्ड क्र. पांच आरएच ओशास्वा केन्द्र श्री रूपेन्द्र नेताम, चारामा क वार्ड क्र. बारह में पर्यवेक्षक श्रीमती पुष्पा मरकाम 16 मार्च को भानुप्रतापपुर के वार्ड क्र. पांच उप अभियंता श्री इनक उडके, कांकेर के एमजी वार्ड उप अभियंता कमलेश साहू, परखंजूर के वार्ड क्र. ग्यारह में ग्राकृवि वि अधिकारी श्री रविन्द्रनाथ बनर्जी, 19 मार्च को चारामा के वार्ड क्र. तेरह उप अभियंता श्री एनके भोरकर, नरहरपुर के वार्ड क्र. चार मुनपअधि. श्री श्यामलाल पाण्डेल, 20 मार्च को भानुप्रतापपुर के वार्ड क्र. आठ उप अभियंता श्री इनक उडके, 23 मार्च को भानुप्रतापपुर के वार्ड क्र. ग्यारह उप अभियंता इनक उडके, 26 मार्च को नरहरपुर के वार्ड क्र. दस मुनपअधि. श्याम लाल पाण्डेल, 28 मार्च को अंतगढ़ के वार्ड क्र. ग्यारह आरएचओशास्वा केन्द्र श्री रूपेन्द्र नेताम, भानुप्रतापपुर के वार्ड क्र. तेरह उपअभियंता श्री इनक उडके को शिविर प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

पॉवर कंपनी अंतरक्षेत्रीय हॉकी प्रतियोगिता 2018 का समापन

राजनांदगांव, (आरएनएस)। राजनांदगांव स्थित इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम के एस्टोटर्फ मैदान में खेले जा रहे पॉवर कंपनी अंतरक्षेत्रीय हॉकी प्रतियोगिता का विजयी खिताब मड़वा प्रोजेक्ट के नाम रहा। प्रतियोगिता के फइनल मैच में कोरबा पश्चिम को 2-0 से हराकर मड़वा प्रोजेक्ट ने एकतरफ जीत हासिल की। दोनों टीम के बीच फइनल मुकाबला बहुत ही रोमांचक रहा। फर्स्ट हाफ में दोनों टीमों ने आक्रमक खेल का प्रदर्शन किया। मड़वा प्रोजेक्ट की ओर इस प्रतियोगिता शानदार फर्म में चल रहे सुशांत कटकवार ने विपक्षी रक्षापंक्ति को भेदकर पहला गोल करते हुए अपने टीम को मजबूती प्रदान की। फर्स्ट हाफ में कोरबा पश्चिम की टीम कोई गोल नहीं कर पाई। सेकेण्ड हाफ में दोनों टीमों ने आक्रमक खेल दिखाते हुए दर्शकों को रोमांच का संचार किया। मैच के अन्तिम क्षणों में सुशांत कटकवार एक बार फिर अपने बेहतरीन खेल को प्रदर्शित करते हुए कोरबा पश्चिम के रक्षापंक्ति को छकाते हुए गोल किया और मड़वा प्रोजेक्ट को सिरमौर बना दिया। इधर दूसरे तरफ कोरबा पश्चिम की टीम सेकेण्ड हाफ में भी कोई गोल नहीं कर पाई। और मड़वा प्रोजेक्ट की टीम ने बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए खिताब पर कब्जा कर लिया। क्षेत्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद राजनांदगांव क्षेत्र के तत्वाधान में 21 से 24 फरवरी 2018 तक आयोजित चार दिवसीय अंतरक्षेत्रीय हॉकी प्रतियोगिता के समापन समारोह में विजेता मड़वा प्रोजेक्ट की टीम को शील्ड एवं उपविजेता रही कोरबा पश्चिम की टीम को रनर शील्ड

प्रदान किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अधीक्षण अभियंता श्री आर0एन0 याहके द्वारा विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को शील्ड एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। समापन समारोह को संबोधित करते हुए श्री याहके ने विजेता एवं उपविजेता टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने चार दिनों तक हॉकी की नर्सरी में उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। उन्होंने कहा कि आप सभी के प्रयास और मेहनत ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया है। इस समापन कार्यक्रम में आयोजन समिति और टीम की ओर अनुभवी खिलाड़ी तथा 62 वर्ष उम्र में खेलभावना का शानदार परिचयक श्री प्रशांत तिवारी एवं श्री कृष्ण कुमार ताम्रकार को उनके रिटायरमेंट के पूर्व सम्मानित किया गया। खेल प्रतियोगिता को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले निर्णायक मंडल के श्री कुशल यादव, श्री तौफिक अहमद, श्री सुखदेव निर्मलकर, श्री भूषण साव, श्री संतोष चैकेन्द्रे, श्री एम0रवि राव, श्री किशोर धीवर, एवं श्री शब्बीर सोलंकी को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्युत कंपनीज के 07 टीमों में से 30 खिलाड़ियों को अखिल भारतीय विद्युत मंडल प्रतियोगिता के लिए चुना गया है। कार्यक्रम का संचालन श्री प्रशांत तिवारी द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन क्षेत्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के सचिव श्री अशोक उमरे द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता

देश / विदेश / स्वास्थ्य / शिक्षा / अन्य

चीकू के सेहतमंद फायदे

कच्चे चीकू बिना स्वाद के और पके चीकू बहुत मीठे और स्वादिष्ट होते हैं। गोल चीकू की अपेक्षा लम्बे गोल चीकू श्रेष्ठ माने जाते हैं। पके चीकू का नाश्ते और फलाहार में उपयोग होता है। कुछ लोग पके चीकू का हलुवा बनाकर खाते हैं। इसका हलुवा बहुत ही स्वादिष्ट होता है। चीकू खाने से शरीर में विशेष प्रकार की ताजगी और फूली आती है। इसमें शर्करा की मात्रा अधिक होती है। यह खून में घुलकर ताजगी देती है। चीकू ;नामक पदार्थ पैदा होता है। चीकू के पेड़ की छल से चिकना दूधिया रस चिकल नामक गोंद निकाला जाता है। उससे चबाने का गोंद च्यूडाम बनता है। यह छोटी छोटी वस्तुओं को जोड़ने के काम आता है। दंत विज्ञान से संबंधित शल्य क्रिया में ट्रांसमीशन बेल्ट्स बनाने में इसका उपयोग होता है। गटापची नामक पदार्थ के बदले भी इसका उपयोग होता है। चीकू की छल बाधक शक्तिवर्द्धक और बुखार नाशक होती है। इस छल में टैनिन होता है। दक्षिण लुजोन के मछूर नौकाओं के पाल और मछलियों के पकड़ने के साधन रंगने के लिए इसकी छल का उपयोग करते हैं। चीकू बेपान के फल शीतल पित्तनाशक पौष्टिक मीठे और रुचिकारक हैं। इसमें शर्करा का अंश ज्यादा

होता है। यह पचने में भारी होता है। चीकू ज्वर के रोगियों के लिए पथ्यकारक है। भोजन के बाद यदि चीकू का सेवन किया जाए तो यह निश्चित रूप से लाभ प्रदान करता है। चीकू ठीक से पके हुए ही खाने चाहिए। कच्चे चीकू कब्ज पैदा करते हैं और पेट को भारी करके दर्द भी पैदा करते हैं। विभिन्न रोगों में सहायक चीकू दस्त चीकू की छल का कांडा बनाकर पीने से दस्त और बुखार आदि रोग समाप्त हो जाते हैं। धातुपुष्टि चीकू को शर्करा के साथ खाने से शरीर में धातु की पुष्टि होती है। पेशाब की जलन चीकू के सेवन करने से पेशाब की जलन शांत हो जाती है। पित्त प्रकोप चीकू को रातभर मक्खन में भिगोर सुबह के समय खाने से पित्त प्रकोप शांत होता है तथा यह बुखार में भी लाभकारी होता है। खून की कमी शरीर में खून की कमी को दूर करने के लिए रोजाना 3 से 4 चीकू 8 से 10 दिन तक लगातार खाने से लाभ होता है। हृदय रोग रू हृदय और गुँदे के रोगों में एक अहम भूमिका निभाने वाला चीकू एनिमिया



होने से भी रोकता है। टॉनिक चीकू उर्जा का एक बहुत ही अच्छा स्रोत है। यह कसरत और मेहनत करने वालों के लिए एक टॉनिक के रूप में काम करता है। गुँदे के रोग यह दिमाग की तंत्रिकाओं को शांत और तनाव को कम करने में मदद करता है। पोटेशियम और सोडियम से भरपूर चीकू के सेवन से पेशाब में जलन की समस्या दूर होती है। जिन्हें कब्ज और दस्त की बीमारी हो उन्हें नियमित रूप से चीकू का सेवन करना चाहिए। स्वाद में मीठे और विटामिन सी स्रोत चीकू शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए ठीक रहता है। इसके अलावा यह गुँदे के रोगियों के लिए भी गुणकारी है। बवासीर और दस्त में एक उपचार के तौर पर काम करता है चीकू। इसके अलावा यह कोलन कैंसर को कम करने में भी सहायक है। प्रतिरोधक क्षमता इसमें विटामिन ए के साथ विटामिन सी भी पाया जाता है। विटामिन सी शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कैंसर चीकू हमारे

हृदय और रक्त वाहिकाओं के लिए बहुत लाभदायक होता है। इसमें बेटा-क्राइटॉक्सथिन होता है इसलिए माना जाता है कि यह फेफड़े के कैंसर के होने के खतरे को कम करता है। आंखों की रोशनी चीकू विटामिन का एक बड़ा स्रोत है। यह आंखों के लिए कारगर है इसलिए इसका नित्य सेवन करने से आंखों की रोशनी बढ़ती है। बुखार चीकू की छल में टैनिन पाया जाता है इसलिए सूजन और बुखार में चीकू बहुत ही फायदेमंद है। त्वचा की सुरक्षा के लिए भी चीकू फायदेमंद है क्योंकि विटामिन ए के अलावा चीकू में विटामिन बी और ई भी होता है जो त्वचा को सुरक्षा प्रदान करता है तथा त्वचा की नमी को बरकरार रखता है। कब्ज और दस्त की बीमारी को ठीक करने में सहायक चीकू खाने से आंतों की शक्ति बढ़ती है और आंतें अधिक मजबूत होती हैं। हड्डियों को मजबूती कैल्शियम फास्फोरस और आयरन जैसे तत्वों से भरपूर चीकू शरीर की हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है। कमजोर नित्य इसका सेवन शरीर की कमजोरियों को दूर करता है। साथ ही कार्बोहाइड्रेट और न्यूट्रिएंट से भरपूर चीकू स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए भी लाभकारी है।

खट्टा मीठा जामुन केवल फल ही नहीं औषधि भी है

स्मरण शक्तिवर्धक मस्तिष्क की कोशिकाओं की क्षमता घटने से स्मरणशक्ति कमजोर हो जाती है। जामुन में एंटी ऑक्सिडेंट्स विशेष रूप से फ्लेवोनोयड्स मिलते हैं जो स्मरण शक्ति ठीक रखने में सहायक है। जामुन खाने से चेहरे के मुँहासे मिट जाते हैं। इसकी गुट्टलियों को पानी डालकर पीसकर चेहरे पर लेप करके आधे घंटे बाद धोने से मुँहासों से छुटकारा मिलेगा। जामुन का चूर्ण और मिश्री ;पसी करीब 15 ग्राम की मात्रा में प्रात सायं दूध के साथ लेने से हर प्रकार की कमजोरी दूर होती है। मधुमेह के रोगियों को हर रोज 150 ग्राम जामुन खाना चाहिए। जामुन के नियमित सेवन से रक्त में ग्लूकोज की मात्रा को नियंत्रित किया जा सकता है। होम्योपैथी में मधुमेह के लिए जामुन का रस सीजीजीएम जेम्बोलिनम मदर टिंचर के नाम से काम में लिया जाता है। तीन बार जामुन की गुट्टली का चूर्ण एक-एक चम्मच सुबह-दोपहर-शाम पानी के साथ लेने से शर्करा आना ठीक हो जाता है। इसके साथ ही आम की गुट्टली का चूर्ण तीन-तीन ग्राम की मात्रा में पानी से लें। जामुन ब्लैकबेरी की गुट्टली मधुमेह के लिए रामबाण है। गुट्टली का पाउडर निर्धारित मात्रा में ही लें अधिक मात्रा में लेना हानिप्रद है। जामुन खाना खाने के बाद खायें तथा इसके सेवन से दो घंटे पूर्व व पश्चात तक दूध नहीं पियें। दो घंटे के बाद ही दूध पियें। ब्लैकबेरी में आयरन होता है जो रक्त के लिए काफी जरूरी तत्व होता है। हृदय रोगों में भी इसका सेवन लाभदायक है। अगर शरीर पर कोई फफोला जलन घाव हो जाते हैं तो इसकी गुट्टली पानी में पीसकर रोजाना दो बार लगाने से ये घाव ठीक हो जाते हैं 200 ग्राम ब्लैकबेरी एक गिलास उबलते हुए पानी में डालकर कुछ देर उबालें। फिर उतार कर ठंडा होने दें। इसी पानी में उन्हें मथकर छानकर एक चम्मच शहद मिलाकर हर रोज तीन बार पियें। इससे शरीर का दुबलापन और मधुमेह रोग में लाभ होता है। जामुनों को धूप में सुखाकर पीस लें। इस पाउडर की तीन चम्मच हर रोज तीन बार पानी के साथ लेने से भी मधुमेह में लाभ होता है। पेट की बीमारियों में ब्लैकबेरी लाभदायक है। पेट दर्द, दस्त होने पर इसके रस में सेंधा नमक मिलाकर पीना चाहिए।

अपच होने पर 100 ग्राम ब्लैकबेरी पर नमक डालकर हर रोज खायें। एक कप पानी में एक चम्मच ब्लैकबेरी का सिरका डालकर हर रोज तीन बार पियें। इससे पेट के प्रायः सभी सामान्य रोग ठीक हो जाते हैं। भूख अच्छी लगती है। पेट दर्द होने पर एक कप पानी में एक चम्मच जामुन का सिरकाए जरा सा काला नमक मिलाकर पियें। बार-बार होने वाले दस्तों में जामुन के कोमल पत्तों का दस ग्राम रस लेकर थोड़े से शहद में मिलाकर दिन में तीन बार लेने से काफी लाभ होता है। केवल इसका रस पीने से भी दस्त बन्द हो जाते हैं। सावधानी जामुन को खाली पेट खाना अच्छा नहीं है। इसको खाना खाने के बाद लेना लाभदायक है। इसको ज्यादा मात्रा में खाने से हानि होती है। फोडे-फुसी मुँहासे हों तो हर रोज दो से तीन ग्राम ब्लैकबेरी खायें। गुट्टली दूध में पीसकर लगायें। दाँतों के रोग यदि आपके दाँतों में दर्द है रक्त निकलता है दाँत हिलते हैं मसूड़े फूलते हैं तो 50 ग्राम ब्लैकबेरी के नये मुलायम कच्चे पत्ते टुकड़े करके चौथाई चम्मच पिसी कालीमिर्च दो गिलास पानी में उबालकर छानकर हर रोज दो बार कुल्ले करें। इसकी छल बारीक पीस कर हर रोज जामुन के 40 नरम पत्तों को पीसकर एक गिलास पानी में घोल लें छानकर कुल्ले व गरारे करें, मुँह के छले बहुत जल्दी ठीक हो जायेंगे। इसको खाने से भी छले ठीक हो जाते हैं। पानी में सिरका डालकर भी कुल्ले कर सकते हैं। जामुन का शर्वत पीने से थकान दूर होकर ताजगी अनुभव होती है जामुन का सिरका सौंदर्यवर्धक होता है। इसको नियमित पीने से स्त्री पुरुष बच्चों का सौन्दर्य बढ़ता है। एक कप पानी में एक चम्मच सिरका मिलाकर पियें। इसके फल में खून को साफ करने वाले कई गुण होते हैं। सिरका स्वाद में खट्टा होता है। अतः सिरके को पीने योग्य बनाने के लिए आवश्यक तानुसार पानी मिलायें। इससे भूख बढ़ती है और पुराने पेट के रोग भी ठीक हो जाते हैं। कमजोरी दूर होती है। इसका सिरका बाजार में भी मिलता है। जामुन का रस निकालने की विधि दू जामुनों को दो घंटे पानी में पड़ी रखने के बाद गुट्टलियाँ निकाल कर रस निकालें।



छोटे बच्चे का सहारा लेकर आरोंपियों ने चोरी की

धमतररी, (आरएनएस)। सिविल लाइन स्थित आदिवासी छात्रावास अधीक्षक के निवास में हुई चोरी का खुलासा हो गया है। इसमें दो आरोपियों ने एक छोटे से बच्चे को खिड़की के रास्ते से घुसाकर दरवाजा खुलवा लिया। इसके बाद दोनों आरोपी अंदर घुसे। सोने-चांदी के जेवरत, पूजा की तलवार, नगदी रकम करीब सवा दो लाख लेकर दोनों फरार हो गए। शिकायत पर कोतवाली पुलिस एवं अर्जुनी पुलिस के साथ सायबर सेल की टीम आरोपियों के पता तलाश में जुटी थी। मुखबिर से सूचना मिलने पर जब दोनों आरोपियों से पूछताछ की गई तो उन्होंने चोरी करना कबूल कर लिया।

कि रविवार को 3 से 5 बजे के बीच सलमान और सोनऊ चोरी की नियत से घर के पास पहुंचे और वहीं पर घूम रहे एक नाबालिग बच्चे को खिड़की के रास्ते से घुसाकर दरवाजा खुलवा लिया। इसके बाद दोनों आरोपी अंदर घुसे। सोने-चांदी के जेवरत, पूजा की तलवार, नगदी रकम करीब सवा दो लाख लेकर दोनों फरार हो गए। शिकायत पर कोतवाली पुलिस एवं अर्जुनी पुलिस के साथ सायबर सेल की टीम आरोपियों के पता तलाश में जुटी थी। मुखबिर से सूचना मिलने पर जब दोनों आरोपियों से पूछताछ की गई तो उन्होंने चोरी करना कबूल कर लिया।

अम्बेडकर चौक में मोबाइल टावर लगाने का विरोध

धमतररी, (आरएनएस)। जोधापुर अम्बेडकर चौक के रहवासियों ने चौक में एक निजी कंपनी द्वारा लगाये जा रहे टावर का विरोध किया है। कलेक्टर और महापौर को ज्ञापन सौंपा है। रिहायशी इलाकों में टावर के रेडिएशन से खतरा भांपते हुए जोधापुर अम्बेडकर चौक के निवासियों ने चौक में लगाए जाने वाले जियो कंपनी के टावर का विरोध किया है। कलेक्टर और महापौर को सौंपे ज्ञापन में कहा है कि चौक में पहले से ही एक टावर लगा हुआ है। इसके बाद एक और टावर की अनुमति दे दी गई है। जिसका निर्माण कार्य जारी है। टावर की वजह से

बारिश दिनों में आसपास पानी भर जाता है। जिसकी वजह से परेशानी होती है। रिहायशी इलाके में टावर लगने से उसके रेडिएशन से खतरा बना रहेगा। जनहित में इसके निर्माण कार्य को रोककर टावर की अनुमति को रद्द करने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में कन्हैया लाल, राजेश साहू, राजू कुमार, संजय कुमार, गणेश राम, यशवंत मानिकपुरी, प्रीयेश निर्मलकर, नीतेश, मनीष कुमार, राधा बाई, मोहम्मद हासन, नीलेश सोनी, मनीषा बाई, अजय कहरार, संतराम, कुलेश्वर, टीकम देवांगन समेत वार्डवासी शामिल थे।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु General Knowledge

- अनीष्वरवाद के संबंध में बौद्धधर्म एवं जैनधर्म में समानता है।
- भगवान पिव की पूजा करने वालों को पैव एवं पिव से संबंधित धर्म का पैवधर्म कहा गया है।
- पिवलिंग उपासना का प्रारंभिक पुरातात्विक साक्ष्य हड़प्पा संस्कृति के अवशेषों से मिलता है।
- ऋग्वेद में पिव के लिए रूद्र नाम देवता का उल्लेख है।
- अर्थर्ववेद में पिव को भव, षर्व, पषुपति एवं भूपति कहा गया है।
- लिंग पूजा का पहला स्पष्ट वर्णन मत्स्यपुराण में मिलता है।
- रूद्र के पति के रूप में पावर्ती का नाम तैत्तिरीय आरण्यक में मिलता है।
- पिव की पति की सौम्य रूप है: पावर्ती, उमा, गौरी एवं भैरवी।
- वामन पुराण में ष्वैव सम्प्रदाय की संख्या चार बतायी गयी है- पषुपत, कापालिक, कालामुख, लिंगायत।
- पाषुपत सम्प्रदाय पैवों का सर्वाधिक प्राचीन सम्प्रदाय है। इसके संस्थापक लकुलीष थे। जिन्हें भगवान शिव के 18 अवतार में से एक माना जाता है।
- कापालिक सम्प्रदाय के ईश्वदेव भैरव थे। इस सम्प्रदाय का प्रमुख केन्द्र श्री पैल नामक स्थान था।
- बसव पुराण में लिंगायत सम्प्रदाय के प्रवर्तक अल्लथ प्रभु तथा उनके शिष्य बासव को बताया गया है। इस सम्प्रदाय को बीरपिव सम्प्रदाय भी कहा जाता है।
- 10वीं शताब्दी में मत्स्येन्द्रनाथ में नाथ सम्प्रदाय की स्थापना की। इस सम्प्रदाय का व्यापक प्रचार प्रसार बाबा गोरखनाथ के समय में हुआ।
- इस्लाम धर्म के संस्थापक हजरत मुहम्मद साहब थे।
- हजरत मुहम्मद साहब का जन्म 570 ई. में मकका में हुआ था।
- हजरत मुहम्मद साहब के पिता का नाम अब्दुल्ल और माता का नाम अमीना था।
- ईसाई धर्म के संस्थापक हैं - ईसा मसीह।
- ईसाई धर्म का प्रमुख ग्रंथ है - बाइबिल।
- ईसा मसीह का जन्म जेरूसेलम के निकट बैथलेहम नामक, स्थान पर हुआ था।
- ईसा मसीह के माता का नाम मेरी और पिता का नाम जोसेफ है।

- ईसा मसीह के प्रथम दो शिष्य एंड्रयू एवं पीटर।
- ईसा मसीह को सूली पर रोमन गवर्नर पॉटियस ने चढ़ाया।
- हर्षक वंश का अंतिम राजा उदाधि का पुत्र नागदषक था।
- शिवनाग का उत्तराधिकारी काला शोक पुनः राजधानी को पाटलिपुत्र ले गया।
- नंदवंश का संस्थापक महापद्यनंद था
- शिशुनाग वंश का अंतिम राजा नंदिवर्धन था।
- सिकन्दर का जन्म 356 ईसा पूर्व में हुआ।
- सिकन्दर के पिता का नाम फिलिप था।
- सिकन्दर अरस्तू का शिष्य था।
- सिकन्दर का सेनापति सेल्यूकस निकेटर था।
- सिकन्दर के सेना ने व्यास नदी के पश्चिमी तट पर पहुंचकर उसे पार करने से इंकार कर दिया।
- सिकन्दर का प्रिय घोड़ा बऊकेफाल था। इसी के नाम पर इसने झेलम नदी के तट पर बऊकेफला नामक नगर बसाया है।

मराठा मित्र मंडल छत्रपति शिवाजी जयंती का आयोजन करेंगे

रायपुर, (आरएनएस)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मराठा मित्र मंडल द्वारा शिवाजी जयंती के उपलक्ष्य में मराठा समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन आउटडोर स्टेडियम बूढ़ापारा रायपुर में 25 फरवरी रविवार को किया जाएगा। यह जानकारी प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंडल के अध्यक्ष गुणवंत रव घाटगे ने दी। गुणवंत रव ने बताया कि उपरोक्त आयोजन में समाज के दो हजार से भी अधिक सदस्य शामिल होंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

सिंचाई मंत्री बृजमोहन अग्रवाल होंगे। अध्यक्षता महापौर प्रमोद दुबे करेंगे। जबकि विशेष अतिथि नगर निगम के सभापति प्रफुल्ल विश्वकर्मा एवं भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता सचिदानंद उपासने होंगे। शिवाजी महाराज का माल्यापण पूजा अर्चना के पश्चात रैली वापस बूढ़ापारा आउटडोर स्टेडियम पहुंचेगी। वहां पर नागपुर से 40 सदस्यीय कलाकारों की टीम सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से शिवाजी महाराज की वीरगाथा की महिमा बखान करेगी।